भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 148 #

गुरूवार, 29 जनवरी, 2026/09 माघ, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा

148 # श्री मदन राठौड़:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि राजस्थान देश का प्रमुख पर्यटन राज्य है;

(ख) यदि हाँ, तो राज्य में पर्यटन अवसंरचना के विकास हेतु कितना केंद्रीय अनुदान दिया गया है;

(ग) क्या स्वदेश दर्शन और प्रसाद योजनाओं के तहत कोई नई परियोजनाएँ स्वीकृत की गई हैं;

(घ) क्या मरुस्थलीय एवं सीमावर्ती पर्यटन को जैसलमेर और बीकानेर जैसे जिलों में बढ़ावा देने की योजना है; और

(ङ) क्या स्थानीय युवाओं को पर्यटन-आधारित रोजगार हेतु विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): पर्यटन मंत्रालय राजस्थान को देश का एक महत्वपूर्ण पर्यटन राज्य मानता है। यद्यपि, पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास एवं संवर्धन तथा पर्यटन आधारित रोजगार हेतु प्रशिक्षण प्रदान करने का कार्य मुख्यतः संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है, पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन (एसडी), स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)', 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास' (सीबीडीडी) - स्वदेश दर्शन योजना की एक उप-योजना और 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' नामक अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को योजना के दिशा-निर्देशों और सरकारी निर्देशों के अनुरूप उनसे परियोजना प्रस्ताव प्राप्ति पर तथा निधियों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान करके देश में पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों को संपूरित करता है। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय अपनी केंद्रीय एजेंसियों को सहायता (एसीए)

नामक योजना के तहत पर्यटन अवसंरचना के विकास हेतु केंद्रीय एजेंसियों को भी निधियां प्रदान करता है।

भारत सरकार ने 'राज्यों को पूंजी निवेश हेतु विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास' नामक योजना के तहत भी देश के प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों के व्यापक विकास, और वैश्विक स्तर पर उनकी ब्रांडिंग तथा विपणन के उद्देश्य से परियोजनाओं को मंजूरी दी है। मंत्रालय अपनी सतत सवंर्धनात्मक पहलों के माध्यम से मरूस्थलीय और सीमावर्ती क्षेत्र सहित देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों का संवर्धन करता है।

मरुस्थलीय और सीमावर्ती क्षेत्र सहित राजस्थान राज्य में स्वदेश दर्शन, एसडी 2.0, प्रशाद, एसीए और एसएएससीआई योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय ने प्रत्येक स्तर पर पर्यटन सेवा प्रदाताओं को शिक्षा, प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करने के लिए "सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण" (सीबीएसपी) नामक योजना शुरू की है। इस पहल के मुख्य उद्देश्य सेवा के प्रत्येक स्तर पर श्रमशक्ति को प्रशिक्षित और उन्नत करना है ताकि i) देश की अपार पर्यटन क्षमता का पूर्ण लाभ उठाया जा सके और ii) स्थानीय लोगों को पेशेवर विशेषज्ञता प्रदान करने के साथ-साथ पर्यटन क्षेत्र में रोजगार सृजन के नए अवसर पैदा किए जा सकें। राजस्थान राज्य सहित देश भर में केंद्र/राज्य/पैनलबद्ध प्रशिक्षण भागीदारों के माध्यम से समय-समय पर प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं।

****

अनुबंध

श्री मदन राठौड़ द्वारा राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा के संबंध में दिनांक 29.01.2026 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 148 # के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में

विवरण

राजस्थान राज्य में स्वदेश दर्शन (एसडी), एसडी 2.0, प्रशाद, एसएएससीआई और एसीए योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

(राशि करोड़ रु. में)

योजना/ उप-योजना	**क्र. सं.**	**परियोजना/अनुभव का नाम**	**परिपथ/गंतव्य**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि**
स्वदेश दर्शन (एसडी)	1	सांभर लेक टाउन और अन्य स्थलों का विकास	मरुस्थल परिपथ	2015-16	50.01
	2.	गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटूश्याम जी (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का विकास	कृष्ण परिपथ	2016-17	75.80
	3.	आध्यात्मिक परिपथ - 'चुरू (सालासर बालाजी) - जयपुर (श्री समोदके बालाजी, घाटके बालाजी, बंधेके बालाजी) - विराटनगर (बीजक, जैनसिया, अंबिका मंदिर) - भरतपुर (कमान क्षेत्र) - धौलपुर (मुचकुंड) - मेहंदीपुर बालाजी - चित्तौड़गढ़ (सांवलियाजी) का विकास	आध्यात्मिक परिपथ	2016-17	87.05
	4.	विरासत परिपथ राजसमंद (कुंभलगढ़ किला) - जयपुर (जयपुर और नाहरगढ़ किले में अग्रभाग की प्रकाश व्यवस्था) - झालावाड़ (गागरोन किला) - चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ़ किला) -	विरासत परिपथ	2017-18	70.61

		जैसलमेर (जैसलमेर किला) - हनुमानगढ़ (गोगामेड़ी) - उदयपुर (प्रताप गौरव केंद्र) - धौलपुर (बाग-ए-निलोफर और पुरानी छावनी) - नागौर (मीरा बाई स्मारक, मेड़ता) - टोंक (सुनहरी कोठी) का विकास			
एसडी 2.0	5.	श्री खाटू श्याम जी मंदिर (सीकर) में विकास कार्य	सीकर	2024-25	87.87
	6.	आध्यात्मिक अनुभव, केशोरायपाटन	बूंदी	2023-24	21.65
	7.	श्री करणी माता मंदिर, बीकानेर में विकास कार्य	बीकानेर जिला	2025-26	22.58
	8.	मालासेरी डूंगरी, भीलवाड़ा जिले का विकास	मालासेरी डूंगरी (जिला - भीलवाड़ा)	2025-26	48.73
प्रशाद	9.	पुष्कर/अजमेर का एकीकृत विकास	पुष्कर/अजमेर	2015-16	32.64
एसएएससीआई	10.	जयपुर में आमेर-नाहरगढ़ एवं आसपास के क्षेत्र का विकास	जयपुर	2024-25	49.31
	11.	जयपुर में जल महल का विकास	जयपुर	2024-25	96.61
एसीए	12.	नवलसागर झील, बूंदी में म्यूजिकल फाउंटेन और वाटर स्क्रीन मल्टीमीडिया आधारित प्रोजेक्शन शो की स्थापना	बूंदी	2023-24	9.25
	13.	श्री तनोट कॉम्प्लेक्स, जैसलमेर सेक्टर में सीमा पर्यटन का विकास	जैसलमेर	2022-23	17.67
	14.	अजमेर रेलवे स्टेशन	अजमेर	2014-15	5.52
	15.	जयपुर रेलवे स्टेशन	जयपुर	2014-15	4.88
	16.	चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन	चित्तौड़गढ़	2019-20	4.99

****